भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1418**

जिसका उत्तर 13.02.2025 को दिया जाना है

**भारतमाला परियोजना का प्रभाव**

1418. श्री राजेश वर्मा:
श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:
श्री नरेश गणपत म्हस्के:
श्रीमती शांभवी:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिसम्बर, 2024 की स्थिति के अनुसार, भारतमाला परियोजना के अंतर्गत कुल कितने किलोमीटर (लंबाई) की सड़क के निर्माण के लिए ठेका प्रदान किया गया तथा कुल कितना कार्य पूरा हुआ तथा कुल परियोजना लागत कितनी है;

(ख) भारतमाला परियोजना के अंतर्गत आर्थिक गलियारे, सीमा और अंतर्राष्ट्रीय संपर्क तथा तटीय और पत्तन संपर्क सड़कों जैसे प्राथमिकता वाले राज्यवार विशिष्ट घटक क्या हैं;

(ग) आईआईएम, बेंगलूर के अध्ययन में किए गए आकलन के अनुसार भारतमाला परियोजना का संभावित सामाजिक-आर्थिक प्रभाव क्या होगा और इस संबंध में किसी प्रारंभिक निष्कर्ष का ब्यौरा क्या है;

(घ) यह परियोजना किस प्रकार संभार-तंत्र लागत को कम करने और राष्ट्रीय संपर्क में सुधार लाने में योगदान देती है; और

(ङ) इस पहल के अंतर्गत शेष खंडों को पूरा करने के लिए अपेक्षित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) सरकार द्वारा भारतमाला परियोजना (भारतमाला परियोजना) को 2017 में देश भर में 34,800 किलोमीटर की लंबाई में कवर करने के लिए मंजूरी दी गई थी। 31.12.2024 तक, कुल 26,425 किलोमीटर लंबाई को कवर करते हुए 8.54 लाख करोड़ रुपये की पूंजीगत लागत वाली परियोजनाएं सौंपी जा चुकी हैं और इसमें से 19,201 किलोमीटर का निर्माण भारतमाला परियोजना के तहत पहले ही किया जा चुका है।

(ख) भारतमाला परियोजना के तहत सौंपी गई परियोजनाओं के विभिन्न घटक नीचे दिए गए हैं:

| गलियारों का प्रकार | सौंपी गई | |
|---|---|---|
| | परियोजनाएं | लंबाई(किमी) |
| आर्थिक गलियारे | 273 | 8,737 |
| अंतर गलियारें मार्ग | 76 | 2,889 |
| फीडर रूट | 28 | 973 |
| राष्ट्रीय गलियारे | 63 | 1,777 |
| राष्ट्रीय गलियारें दक्षता सुधार | 31 | 824 |
| एक्सप्रेसवे | 84 | 2,422 |
| सीमा सड़कें और अंतर्राष्ट्रीय संपर्क सड़कें | 27 | 1,619 |
| तटीय सड़कें | 2 | 77 |
| बंदरगाह संपर्क सड़कें | 16 | 348 |
| भारतमाला कुल | 600 | 19,667 |
| शेष एनएचडीपी | 196 | 6,758 |
| कुल | 796 | 26,425 |

(ग) भारतमाला परियोजना के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए आईआईएम, बैंगलोर द्वारा किए गए अध्ययन के प्रारंभिक निष्कर्ष कई क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव दर्शाते हैं। आर्थिक रूप से, कार की बिक्री में वृद्धि के साथ-साथ घरेलू आय और व्यय में वृद्धि हुई है। कम लागत के साथ लॉजिस्टिक रसद दक्षता में सुधार हुआ है। बाजारों और कारखानों तक बेहतर पहुंच से व्यवसायों को लाभ हुआ है। सामाजिक रूप से, स्कूलों और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए यात्रा का समय कम हो गया है, जिससे पहुंच बढ़ गई है। कुल मिलाकर, अध्ययन से पता चलता है कि भारतमाला परियोजना ने सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

(घ) भारतमाला परियोजना ने देश में जनजातीय, आकांक्षी और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों से संर्पकता सहित लॉजिस्टिक्स दक्षता और संपर्कता में सुधार की परिकल्पना की है। इसके अलावा, गलियारों के विकास से प्रमुख आर्थिक केंद्रों के बीच यात्रा के समय में काफी कमी आएगी।

(ड.) कार्यान्वयनाधीन परियोजनाओं को वित्तीय वर्ष 2027-28 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

****